

---

## OBSAH

Kap. I. Úvod .....	5
--------------------	---

### Část I.

Kap. II. Egeriin dar .....	16
----------------------------	----

Kap. III. Přehled vývoje římských náboženských představ .....	38
---	----

Kap. IV. Římští kněží .....	59
-----------------------------	----

Pontifices .....	66
------------------	----

Augures .....	74
---------------	----

Fetiales .....	78
----------------	----

Rex sacrorum .....	80
--------------------	----

Flamines .....	80
----------------	----

Další kněžské sbory .....	82
---------------------------	----

Sodales Titii .....	82
---------------------	----

Viri sacris faciundis .....	82
-----------------------------	----

Epulones .....	83
----------------	----

Salii .....	83
-------------	----

Luperci .....	83
---------------	----

Fratres aruales .....	84
-----------------------	----

Kap. V. Fas – ius .....	87
-------------------------	----

Kap. VI. Odraz náboženství ve veřejném životě .....	101
---	-----

Rex .....	102
-----------	-----

Senatus .....	104
---------------	-----

Comitia .....	107
---------------	-----

Magistrati .....	112
------------------	-----

Kap. VII. Ius privatum et religio .....	119
---	-----

Familia .....	121
---------------	-----

Věcná práva .....	124
-------------------	-----

Přísahy .....	127
---------------	-----

Civilní proces .....	131
----------------------	-----

## Část II.

Kap. VIII. Tresty .....	140
Kap. IX. Magia .....	165
Kap. X. Sacrilegium .....	177
Kap. XI. Potírání cizích kultů .....	190
Kap. XII. Vestálky .....	199
Kap. XIII. Některé další formy vzájemného ovlivňování náboženství a trestního práva .....	211
Asyl .....	211
Leges sacratae .....	212
Sepulchrum violatum .....	215
Terminus .....	221
Kap. XIV. Závěr .....	225
Seznam použité literatury .....	230
Seznam použitých pramenů .....	237
Rejstřík .....	246
Resumé .....	264